

Luk 11:33

| | | | | |
|--------|--|---------------|--|--------|
| Οὐδείς | | τίθησιν | | λύχνον |
| | | / είς κρύπτην | | |
| | | ἄψας | | |

οὐδέ

| | | | | |
|--|--|------------------|--|--|
| | | | | |
| | | / ὑπὸ τὸν μῶδιον | | |

ἀλλ'

| | | | | |
|--|--|-------------------|--|-----------|
| | | | | |
| | | / ἐπὶ τὴν λυχνίαν | | |
| | | ἵνα | | |
| | | οἱ εἰσπορευόμενοι | | |
| | | | | βλέπωσιν. |
| | | | | τὸ φῶς |

Luk 11:34

| | | | | |
|-------------|--|-------|----|------------|
| Ὁ λύχνος | | ἐστίν | \\ | ὁ ὀφθαλμός |
| τοῦ σώματός | | | | σου. |

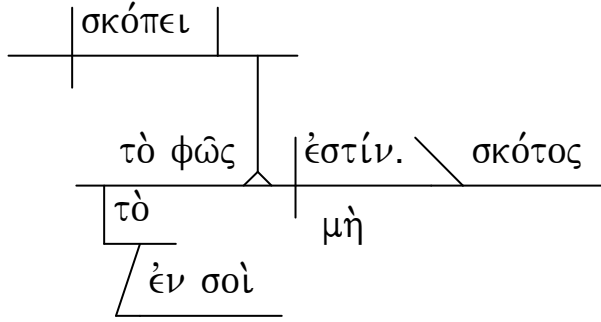
| | | | | |
|---------|--|------------|----|----------|
| τὸ σῶμά | | ἐστίν | \\ | φωτεινόν |
| ᾧ | | | | καὶ |
| σου | | | | |
| | | ὅταν | | |
| | | ὁ ὀφθαλμός | | |
| | | ἢ | | |
| | | ἀπλοῦς | | |
| | | σου | | |

δὲ

| | | | | |
|---------|--|--------------|--|--|
| τὸ σῶμά | | / σκοτεινόν. | | |
| σου | | / καὶ | | |
| | | ἐπὶ | | |
| | | ἢ | | |
| | | πονηρὸς | | |

Luk 11:35

οὖν



Luk 11:36

οὖν

